

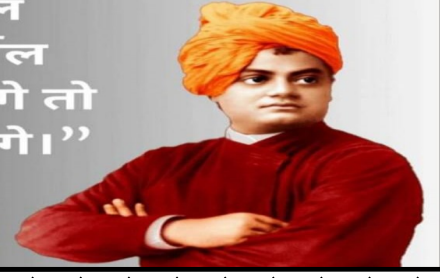
आदर्श अखबार

आदर्श इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड साइंस, AIMS धामनोद
का विद्यार्थियों के लिए एक निःशुल्क उत्कृष्ट प्रकाशन

15 जनवरी 2026 क्र. 18

“जैसा तुम सोचोगे,
वैसा ही बन जाओगे।
खुद को निर्बल
मानोगे तो निर्बल
और सबल मानोगे तो
सबल बन जाओगे।”

~स्वामी विवेकानंद जी



महाविद्यालय में कवियित्री - कवि सम्मलेन



आज दिनांक 12/01/2026 को आदर्श इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड साइंस धामनोद में अंतरराष्ट्रीय युवा दिवस के उपलक्ष्य में छात्र कवि

सम्मेलन युवा भारत का भारत बोध का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के प्रांत मंत्री श्री दर्शन कहार जी एवं नर्मदा ज्ञाबुआ बैंक के मैनेजर श्री दिनेश भावसार जी एवं अतिथि के रूप में संस्था के निर्देशक महोदय डॉ. आर.के. पाटीदार सर, एवं प्राचार्य महोदय डॉ. यशपाल व्यास सर, अकादमिक प्रभारी श्री काशीराम धनगर सर, एवं प्रशासनिक अधिकारी श्री अमित वर्मा सर उपस्थित रहे,



कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती एवं स्वामी विवेकानंद जी के पूजन व दीप प्रज्वलन से किया गया साथ ही अतिथियों का स्वागत सत्कार पुष्पगुच्छ एवं स्वागत गीत द्वारा किया गया इसी के साथ अतिथियों ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए युवाओं की शक्ति और उनकी जिम्मेदारियों के बारे में बताते हुए राष्ट्र निर्माण की कई सारे विषयों पर प्रकाश डाला तत्पश्चात कार्यक्रम को आगे बढ़ाते हुए छात्र कवि सम्मेलन की शुरुआत की गई जिसमें जिसमें मुख्य दो विधाओं -भाषण एवं कविता पाठ में कई विद्यार्थियों द्वारा अपनी रचनाएं प्रस्तुत की गई जिससे विद्यार्थियों में उत्साह एवं आत्मविश्वास आया एवं विद्यार्थियों के साथ ही समस्त फैकल्टी मेंबर्स द्वारा भी कई कविताएं प्रस्तुत की गई।

तथा कार्यक्रम में निर्णायक के रूप में श्रीमती निशा जोशी मेम (आदर्श एकेडमी धामनोद)

उपस्थित रही तथा उन्हीं के निर्णय अनुसार कविता पाठ में प्रथम स्थान उमानंदन लोखंडे B.com II year एवं सलोनी मालवीया Bsc (P) I year ने प्राप्त किया तथा द्वितीय स्थान हर्षिता राठौर Bsc (cs) I year एवं अरविंद पटेल BSc (P) II year ने प्राप्त किया साथ ही भाषण में प्रथम स्थान चेतना कुमावत Bsc (BT) 3rd year तथा द्वितीय स्थान हर्षिता कर्मा Bsc (Cs) II year में प्राप्त किया।

संचालक के रूप में सांस्कृतिक अधिकारी सहा. प्रा. सुश्री रवीना चौहान मेम उपस्थित रही एवं कार्यक्रम का संचालन सहा. प्रा. श्री प्रमोद बामनिया सर, सहा.प्रा. श्रीमती रुचिता पवार मेम एवं सहा. प्रा. सुश्री प्रियंका तिवारी मेम के द्वारा किया गया तथा आभार प्रशासनिक अधिकारी श्री अमित वर्मा सर द्वारा किया गया।



अध्ययन भ्रमण रिपोर्ट - वनस्पति शास्त्र विभाग

दिनांक -24/12/2025 को वनस्पतिशास्त्र विभाग के द्वारा द्वितीय वर्ष के विद्यार्थियों का अध्ययन भ्रमण माँ अंबिका नर्सरी मंडलेश्वर (तह. महेश्वर)में किया गया, जिसके अंतर्गत कुल 45 विद्यार्थी और तीन स्टाफ भी साथ में मौजूद थे। प्रारंभ में आदर्श महाविद्यालय धामनोद से संस्था के प्राचार्य महोदय डॉ. यशपाल व्यास सर, प्रशासनिक अधिकारी श्री अमित वर्मा सर और अकादमी प्रभारी श्री काशीराम धनगर सर के मार्गदर्शन में अध्ययन भ्रमण हेतु महाविद्यालय से 10:00 बजे नर्सरी के लिए प्रस्थान किया।

नर्सरी पहुंचते ही नर्सरी के प्रबंधन व संचालक महोदय श्रीमान राघव सर ने नर्सरी प्रबंधन, विभिन्न प्रकार आयुर्वेदिक पौधे, विभिन्न प्रकार के दुर्लभ पौधे, हॉर्टिकल्चर तथा वर्मिकोपोस्ट आदि की जानकारी दी। अंत में विद्यार्थियों को करियर की कुछ मुख्य बिंदुओं को बताते हुए भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी।

इस अध्ययन भ्रमण में " वनस्पतिशास्त्र विभागाध्यक्ष नेहा वर्मा मैडम, प्राणिशास्त्र विभाग के सहायक प्राध्यापक दीपक वर्मा सर तथा रसायनशास्त्र विभाग से पूजा कुशवाह मैडम " उपस्थित रहे।



अल्बानिया ने दुनिया के पहले AI कैबिनेट मंत्री की नियुक्ति की



अल्बानिया ने 2025 में इतिहास रचा, जब उसने दुनिया के पहले कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) संचालित कैबिनेट मंत्री “डिएला” को नियुक्त किया। यह कदम डिजिटल शासन में नवाचार और भ्रष्टाचार कम करने की दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है। प्रधानमंत्री एडी रामा ने तिराना में सोशलिस्ट पार्टी की बैठक में डिएला

को सार्वजनिक खरीद और निविदाओं का प्रबंधन सौंपा।

डिएला कौन है ?

डिएला कोई मानव मंत्री नहीं है, बल्कि एक आभासी AI अवतार है। इसे अल्बानिया के डिजिटल गवर्नेंस पोर्टल ई-अल्बानिया में एकीकृत किया गया है।

नाम की उत्पत्ति: “डिएला” शब्द अल्बेनियन भाषा में “सूर्य” से आया है।

भूमिका: सार्वजनिक निविदाओं और खरीद की देखरेख करना, पारदर्शिता और निष्पक्षता सुनिश्चित करना।

क्षमताएं: ध्वनि आदेशों के माध्यम से नौकरशाही अनुरोधों को संसाधित करना; पहले ही 36,600 डिजिटल दस्तावेज और लगभग 1,000 सेवाओं को सुगम बनाना।

डिएला एक प्रतीकात्मक अस्तित्व नहीं, बल्कि वास्तविक जिम्मेदारियों वाला सक्रिय मंत्री है।

सार्वजनिक खरीद पर ध्यान क्यों ?

अल्बानिया में सार्वजनिक खरीद भ्रष्टाचार-प्रवण क्षेत्र माना जाता है। AI-संचालित मंत्री को यह विभाग सौंपकर सरकार का उद्देश्य है:

मानव पूर्वाग्रह को हटाकर भ्रष्टाचार कम करना।

निविदाओं में निष्पक्षता सुनिश्चित करना।

नौकरशाही प्रक्रियाओं में दक्षता बढ़ाना।

प्रधानमंत्री रामा ने कहा कि डिएला “पहला सदस्य है जो शारीरिक रूप से मौजूद नहीं है, बल्कि आभासी AI द्वारा निर्मित है।”

व्यापक संदर्भ: जनवरी 2025 में एडी रामा ने AI नेता की नियुक्ति की संभावना का संकेत दिया था। यह कदम वैश्विक रूप से एआई को कैबिनेट स्तर पर शामिल करने वाला पहला प्रयास है। डिएला की सफलता या विफलता AI के शासन में भविष्य की भूमिका पर वैश्विक बहस को प्रभावित करेगी।

प्रशंसा और आलोचना:

समर्थक: इसे साहसिक नवाचार और पारदर्शिता, दक्षता में सुधार का प्रतीक मानते हैं।

आलोचक: चेतावनी देते हैं कि AI प्रणाली में एक भी दोष शासन संबंधी संकट पैदा कर सकता है।

जवाबदेही: बहस छिड़ गई है कि डिएला के निर्णयों की जिम्मेदारी AI, डेवलपर्स या सरकार पर होगी।

शासन के लिए महत्व:

वैश्विक स्तर पर पहली बार: अल्बानिया दुनिया का पहला देश जिसने AI को कैबिनेट मंत्री बनाया।

डिजिटल गवर्नेंस का प्रतीक: भ्रष्टाचार कम करने और सेवा वितरण सुधारने में AI के उपयोग का मॉडल।

परीक्षण मामला: डिएला की कार्यक्षमता भविष्य में AI नीति और शासन में इसके उपयोग पर असर डालेगी।

महत्वपूर्ण तथ्य:

देश: अल्बानिया

नाम: डिएला (अर्थ: सूर्य)

पोर्टफोलियो: सार्वजनिक खरीद और निविदाएं

प्लेटफॉर्म: ई-अल्बानिया पोर्टल

महत्व: दुनिया के पहले AI कैबिनेट मंत्री

साभार - स. प्रा. यश कर्मा , विभागाध्यक्ष - भौतिक एवं गणित विभाग



देश परिचय : ग्रीनलैंड

स्थिति (Location)- ग्रीनलैंड विश्व का सबसे बड़ा द्वीप है। यह आर्कटिक महासागर और उत्तरी अटलांटिक महासागर के बीच स्थित है। भौगोलिक रूप से यह उत्तरी अमेरिका का भाग है, लेकिन राजनीतिक रूप से यह डेनमार्क के अधीन एक स्वशासित क्षेत्र है। इसके पश्चिम में कनाडा और दक्षिण-पूर्व में आइसलैंड स्थित है।

राजधानी- नूक (Nuuk)

भाषा - आधिकारिक भाषा: ग्रीनलैंडिक

अन्य प्रचलित भाषाएँ: डेनिश और अंग्रेजी

जनसंख्या (Population)- लगभग 56,000 – 57,000 लोग

अधिकांश जनसंख्या इनुइट (Eskimo/Kalaallit) समुदाय की है

अर्थव्यवस्था- ग्रीनलैंड की अर्थव्यवस्था मुख्य रूप से प्राकृतिक संसाधनों पर आधारित है:

मछली पकड़ना और समुद्री उत्पाद – सबसे महत्वपूर्ण क्षेत्र

पर्यटन उद्योग – तेजी से विकसित हो रहा क्षेत्र

सरकारी सेवाएँ – बड़ी आबादी इससे जुड़ी है।

डेनमार्क से आर्थिक सहायता – अर्थव्यवस्था का महत्वपूर्ण हिस्सा

खनिज संसाधन – सोना, दुर्लभ धातुएँ (Rare Earth Minerals) की संभावनाएँ

कृषि (Agriculture) केवल लगभग 1% भूमि ही कृषि योग्य है।

मुख्य कृषि गतिविधियाँ: भेड़ पालन, चारा (घास) उत्पादन, सब्जियों की खेती दक्षिणी ग्रीनलैंड में सीमित खेती संभव है।

नदियाँ – ग्रीनलैंड की अधिकांश नदियाँ हिमनदों के पिघलने से बनी हैं और छोटी होती हैं। बोर्गलुम नदी - किंगुआता कुस्सुआ, अकुलियारुसुआर्प कूआ, जैकनबर्ग नदी ,

पर्यटन स्थल (Tourist Places):

प्राकृतिक स्थल- इलुलिसैट आइसफियोर्ड (UNESCO विश्व धरोहर)

कुजाता (Kujataa) क्षेत्र यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल है।

ग्रीनलैंड आइस शीट – विश्व की दूसरी सबसे बड़ी बर्फ की चादर।

स्कोर्बी साउंड – दुनिया की सबसे बड़ी फियोर्ड प्रणाली, प्रिंस क्रिश्चियन साउंड

शहर व सांस्कृतिक स्थल।

नूक – संग्रहालय, संस्कृति और आधुनिक आर्कटिक जीवन, काकोर्तोक – रंगीन शहर और नॉर्स विरासत, वन्यजीव व रोमांच, व्हेल देखना, डॉग स्लेजिंग, उत्तरी रोशनी, हिमखंड

क्रूज, राष्ट्रीय उद्यान

उत्तर-पूर्व ग्रीनलैंड राष्ट्रीय उद्यान – विश्व का सबसे बड़ा राष्ट्रीय उद्यान

विश्व :



स्पेन में करीब 150 साल बाद पहली बार एक महिला शासक रानी बनने जा रही हैं। प्रिंसेस लियोनोर, जो राजा फेलिपे VI और रानी लेटिज़िया की 20 साल की बेटी हैं, भविष्य में स्पेन की Queen Regnant बनेंगी। वह 1800 के दशक में शासन करने वाली रानी इसाबेला द्वितीय के बाद स्पेन की पहली शासक रानी होंगी।

स्पेन में बॉर्बन राजवंश 1700 के दशक से शासन कर रहा है। तानाशाह फ्रांसिस्को फ्रैंको के शासन के बाद 1975 में स्पेन में राजशाही की वापसी हुई थी। बाद में 2014 में राजा जुआन कार्लोस ने गद्दी छोड़कर अपने बेटे फेलिपे VI को राजा बनाया। अब उनकी बड़ी बेटी लियोनोर सिंहासन की अगली उत्तराधिकारी हैं।

देश :

1. भारतीय नौसेना की फर्स्ट ट्रेनिंग स्क्वाड्रन (INS तीर, शार्दूल, सुजाता और ICGS सारथी) दक्षिण पूर्व एशिया के लिए लंबी ट्रेनिंग डिप्लॉयमेंट पर निकल गई है। सिंगापुर, इंडोनेशिया, थाईलैंड में पोर्ट विजिट होगी। 110वीं IOTC के ट्रेनीज को ऑपरेशनल एक्सपोजर मिलेगा। नौसेनाओं के साथ एक्सचेंज, एक्सरसाइज होगी। एक्ट ईस्ट पॉलिसी और मैरीटाइम सहयोग को बढ़ावा मिलेगा।

2. भारतीय तटरक्षक बल को 5 जनवरी 2026 को पहला स्वदेशी प्रदूषण नियंत्रण पोत 'समुद्र प्रताप' मिला। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह गोवा शिपयार्ड में इसे कमीशन किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्वदेशी प्रदूषण नियंत्रण जहाज समुद्र प्रताप शुरू होने से भारत को आत्मनिर्भरता और मजबूत मिलने की बात कही। समुद्र प्रताप भारत का पहला स्वदेशी प्रदूषण नियंत्रण पोत है, जिसका शुभारंभ सोमवार को रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह किया।

प्रदेश : मिलेट क्वीन ऑफ़ इंडिया



मध्य प्रदेश के डिंडोरी जिले की बैगा आदिवासी किसान लहरी बाई "Millet Queen of India" आज सिर्फ एक किसान नहीं, 150 से ज्यादा दुर्लभ देसी बीजों की रक्षक हैं, जब आधुनिक खेती में देसी किस्में गायब हो रही थीं, तब लहरी बाई ने कोदो, कुटकी, सावां, चीना जैसे मोटे अनाजों को के बीज घर में सहेज कर एक चलता-फिरता बीज बैंक बना दिया। उनके इसी योगदान के लिए उन्हें मिला है प्लांट जीनोम संरक्षक किसान सम्मान।

ये कहानी सिर्फ सम्मान की नहीं, मारी खाद्य सुरक्षा और जैव विविधता की रक्षा की है।

हिमालय का यह दुर्लभ फूल दशकों में एक बार खिलता है।



हिमालय का यह दुर्लभ फूल दशकों में एक बार खिलता है, जो इसकी नाजुक सुंदरता को उजागर करता है।

हिमालय की ऊँची पहाड़ियों में छिपा सिक्किम सुंदरी फूल दशकों बाद खिलता है, अपनी नाजुक और चमकीली सुंदरता का प्रदर्शन करता है। इस दुर्लभ फूल को बहुत कम लोगों ने देखा है, इसलिए इसका दिखना एक अद्भुत प्राकृतिक चमत्कार है। सिक्किम सुंदरी, जिसे वैज्ञानिक रूप से रहुम नोबिल के नाम से जाना जाता है, सबसे हालिया प्रस्फुटन दिसंबर 2025 में देखा गया, जिसने आम जनता और वैज्ञानिकों दोनों का ध्यान आकर्षित किया। सोशल मीडिया पर व्यापक रूप से साझा की गई तस्वीरों ने सिक्किम से परे भी लोगों की कल्पनाओं को मोहित कर लिया। इस तरह का प्रस्फुटन दुर्लभ है क्योंकि यह पौधा 4,000 से 4,800 मीटर की ऊंचाई पर उगता है, जहां पहुंचना मुश्किल है और मौसम अप्रत्याशित हो सकता है।

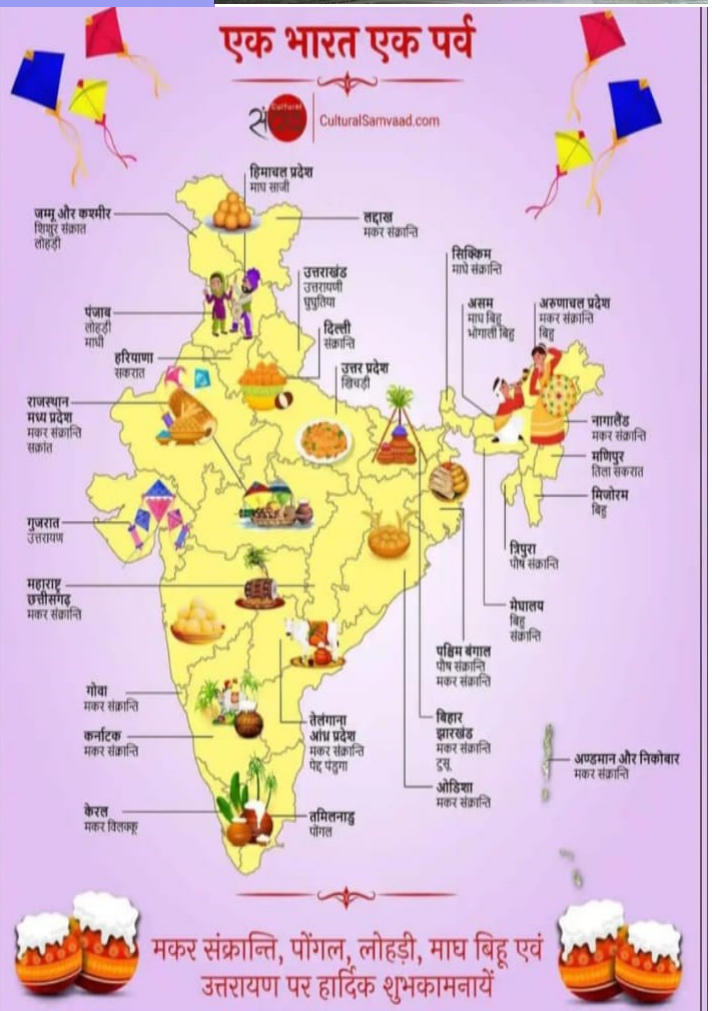
खेल समाचार :



मलेशिया ओपन: सिंधु, सात्विक-चिराग की विजयी शुरुआत महिला एकल के पहले दौर में सिंधु ने चीनी ताइपे की सुंग शुओ युन को 21-14, 22-

20 से हराया; वहीं सात्विक और चिराग ने चीनी ताइपे के यांग पो-ह्सुआन और ली झे-हुए को 21-13, 21-15 से मात दी। लंबे समय तक चोट के कारण खेल से दूर रहने के बाद वापसी करते हुए, पीवी सिंधु ने चिराग शेट्टी और सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी की मजबूत पुरुष युगल जोड़ी के साथ मिलकर नए सीजन की विजयी शुरुआत की, क्योंकि वे बुधवार को यहां मलेशिया ओपन सुपर 1000 बैडमिंटन टूर्नामेंट के दूसरे दौर में प्रवेश कर गए। 30 वर्षीय पूर्व विश्व चैंपियन, जिन्होंने पिछले साल अक्टूबर में पैर की चोट से उबरने के लिए सभी बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर प्रतियोगिताओं से नाम वापस लेने का विकल्प चुना था, ने महिला एकल के पहले दौर में चीनी ताइपे की सुंग शुओ युन को 21-14, 22-20 से हराया।

18वीं रैंक वाली सिंधु ने असुविधा के कोई संकेत नहीं दिखाए क्योंकि उन्होंने निचली रैंक वाली सुंग को दूसरी बार हराकर अपना हेड-टू-हेड रिकॉर्ड 2-0 कर लिया और जापान की विश्व नंबर 9 टोमोका मियाजकी के साथ राउंड ऑफ 16 में मुकाबले के लिए जगह बना ली।



राज्य परिचय : केरल

भौगोलिक स्थिति- केरल भारत का एक दक्षिणी राज्य है, जिसे "गॉड्स ओन कंट्री" भी कहा जाता है। यह अपनी प्राकृतिक सुंदरता, समृद्ध संस्कृति और उच्च साक्षरता दर के लिए प्रसिद्ध है।

राजधानी और भाषा - केरल की राजधानी तिरुवनंतपुरम और राजकीय भाषा मलयालम है।

अर्थव्यवस्था - केरल की अर्थव्यवस्था पर्यटन, कृषि (नारियल, रबर, मसाले), मत्स्य पालन और प्रेषण पर आधारित है। यह भारत का सबसे विकसित राज्य माना जाता है।

प्रमुख नदियाँ - राज्य की मुख्य नदियाँ हैं: पेरियार, भरथपुज्हा, चालकुडी, पम्पा और कावेरी। ये नदियाँ जल परिवहन और सिंचाई में महत्वपूर्ण हैं।

पर्यटन स्थल - मुन्नार: चाय बागानों के लिए प्रसिद्ध हिल स्टेशन, कोवलम बीच: सुंदर समुद्र तट, आलप्पुझा: बैकवाटर्स और हाउसबोट्स, पद्मनाभस्वामी मंदिर: तिरुवनंतपुरम में प्राचीन मंदिर।

लोक संस्कृति - केरल की लोक संस्कृति ओणम त्योहार, कथकली नाट्य और वेत्तिस्वाथिरा जैसे परंपराओं से समृद्ध है। यह द्रविड़ और संस्कृत प्रभावों का मिश्रण दर्शाती है।

लोक गीत - लोक गीतों में सोपानम, मेलम (चेंदा वाद्य के साथ) और मप्पिला गीत प्रमुख हैं। ये त्योहारों और मंदिरों से जुड़े हैं।

लोक नृत्य - थेय्यम, ओट्टन थुल्लल, मोहिनीअट्टम, पुलिकली, मार्गमकली, कलाईकुट्टिकली। ये नृत्य ओणम और मंदिर उत्सवों में प्रस्तुत होते हैं।

राजकीय प्रतीक- पेड़: नारियल का पेड़।

पुष्प: कनिक्कुन्नु (जैस्मिनम सम्बाकम)।

पक्षी: ग्रेट हॉर्नबिल।

काव्य रचना



आधुनिक तकनीकी शिक्षा देकर बच्चों को एक नई राह दिखाना है आदर्श महाविद्यालय तो मार्ग है हमारा हमारा लक्ष्य को पूरे देश को शिक्षित बनाना है।

संस्कारों का आगमन चाहते हैं अनुशासन का पालन चाहते हैं उच्च कोटि की शिक्षा से विद्या की अमृत धारा बहाना चाहते हैं।

डी.ए.वी.वी. के इस पाठ्यक्रम से हमें बच्चों को प्रोत्साहित करना है आदर्श महाविद्यालय तो मार्ग है हमारा हमारा लक्ष्य पूरे देश को शिक्षित बनाना है।

बिना किसी भेदभाव के हमें

जन-जन तक शिक्षा पहुंचाना है

आदर्श महाविद्यालय तो मार्ग है

हमारा हमारा लक्ष्य तो पूरे देश को शिक्षित बनाना है।

शिक्षकों का सहयोग चाहते हैं

बच्चों का हित चाहते हैं

पालकों के साथ मिलकर

हम बच्चों का बेहतर भविष्य चाहते हैं।

स.प्रा. दीपिका निकुम

भाषा ज्ञान

शब्द	पर्यायवाची
नदी	नाद, तटीय, सरिता, धारा
कमल	पंकज, जलज, नीरज, पुंज
सूर्य	दिनकर, आदित्य, भास्कर, रवि
बादल	मेघ, वर्षा, घन, वारिद
घर	निवास, मकान, आवास, बंगला
पेड़	वृक्ष, वनस्पति, तरु, पर्ण
रात	रात्रि, अंधकार, संध्या, काल
फूल	पुष्प, कुसुम, सुमन, मंजरी
आकाश	गगन, अंतरिक्ष, आभा, नभ

Normal English	Advance English
Slow	Sluggish
Interesting	Intriguing
Boring	Tedious
Beautiful	Exquisite
Ugly	Repulsive
Good	Excellent
Bad	Poor
Right	Correct
Wrong	Incorrect

हिन्दू समाज के 16 संस्कार



1. गर्भाधान



2. पुंसवन



3. सीमंतोन्नयन



4. जातकर्म



5. नामकरण



6. निष्क्रमण



7. अन्नप्राशन



8. चूड़ाकरण



9. कर्णवेध



10. विद्यारंभ



11. उपनयन



12. वेदारंभ



13. केशांत



14. समावर्तन



15. विवाह



16. अंत्योष्ट

दशावतार - पंचम अवतार वामन अवतार

भगवान विष्णु का पाँचवाँ अवतार वामन अवतार है, जिसमें वे एक बौने ब्राह्मण बालक के रूप में प्रकट हुए थे। इस अवतार का वर्णन प्रमुख रूप से भागवत पुराण, विष्णु पुराण, हरिवंश पुराण, और महाभारत सहित कई अन्य पुराणों जैसे पद्म पुराण और अग्नि पुराण में भी मिलता है।

कथा- यह कहानी त्रेता युग कि है। दैत्यराज बलि नाम के एक राजा थे जो प्रह्लाद के वंशज थे और अत्यंत पराक्रमी, दानी तथा धर्मपरायण थे, परंतु उनकी शक्ति और विस्तार की लालसा ने उन्हें त्रिलोक का स्वामी बना दिया। दैत्यराज बलि, अपने तप और पराक्रम से इतने शक्तिशाली हो गए थे कि उन्होंने तीनों लोकों—पृथ्वी, स्वर्ग और पाताल—पर अधिकार कर लिया था। उनके गुरु, शुक्राचार्य, के मार्गदर्शन में वे अश्वमेध यज्ञ कर रहे थे, जिससे उनकी शक्ति और भी बढ़ती जा रही थी। राजा बलि स्वभाव से बहुत दानी और धर्मात्मा थे, लेकिन उनके अहंकार ने देवताओं को चिंतित कर दिया था। देवताओं की माता, अदिति, ने अपने पुत्रों की दुर्दशा देखकर भगवान विष्णु से प्रार्थना की। भगवान ने उनकी पुकार सुनी और उन्हें आश्वासन दिया कि वे उनके पुत्र के रूप में जन्म लेकर देवताओं को उनका राज्य वापस दिलाएंगे।

इसी वचन के अनुसार, भगवान विष्णु ने एक बौने ब्राह्मण बालक का रूप धारण किया और वे यज्ञस्थल पर पहुँचे, जहाँ राजा बलि दान दे रहे थे। उस छोटे से बालक को देखकर बलि बहुत प्रसन्न हुए और उनसे उनकी इच्छा पूछी। बालक वामन ने बड़ी विनम्रता से कहा, "हे राजन, मुझे बस तीन पग भूमि दान में दे दीजिए।" यह सुनकर राजा बलि हँसे और बोले, "तुम्हें मुझसे इतना बड़ा साम्राज्य छोड़कर सिर्फ तीन पग भूमि चाहिए?" बलि के गुरु शुक्राचार्य ने उन्हें

चेतावनी दी कि यह कोई साधारण बालक नहीं है, बल्कि स्वयं भगवान विष्णु हैं। लेकिन बलि ने अपने वचन से पीछे हटने से इनकार कर दिया।

जैसे ही बलि ने जल से दान का संकल्प लिया, वामन ने अपना विशाल त्रिविक्रम रूप धारण कर लिया। उनका एक पैर आकाश को छू रहा था और दूसरा पृथ्वी को। उन्होंने अपने पहले पग में स्वर्गलोक को और दूसरे पग में पृथ्वीलोक को नाप लिया। जब तीसरे पग के लिए कोई स्थान नहीं बचा, तो राजा बलि ने अपना सिर आगे कर दिया और कहा, "हे प्रभु, तीसरा पग मेरे सिर पर रखिए।" वामन ने उनके सिर पर अपना तीसरा पग रखा और उन्हें पाताल लोक का राजा बना दिया।

इस तरह, भगवान विष्णु ने राजा बलि के अहंकार को समाप्त किया और देवताओं को उनका राज्य लौटाया। यह कथा हमें सिखाती है कि अहंकार का अंत निश्चित है और भगवान अपने भक्तों की रक्षा के लिए किसी भी रूप में प्रकट हो सकते हैं।

साभार - स. प्रा. पूजा कुशवाह रसायनशास्त्र विभाग



रसायन विज्ञान के प्रसिद्ध वैज्ञानिक और उनकी खोजें / आविष्कार

एंटोनी लावोजियर द्रव्यमान संरक्षण का नियम	जॉन डाल्टन परमाणु सिद्धांत	दिमित्री मेंडलीफ आवर्त सारणी	जे. जे. थॉमसन इलेक्ट्रॉन की खोज	रदरफोर्ड परमाणु नाभिक मॉडल
नील्स बोहर बोहर परमाणु मॉडल	हेनरी मोसले परमाणु संख्या $N = \frac{n}{n}$	एवोगाद्रो एवोगाद्रो नियम	गे-लुसैक गैसों का नियम	बॉयल बॉयल का नियम
माइकल फैराडे विद्युत अपघटन	अरहेनियस अम्ल-क्षार सिद्धांत	ब्रॉनस्टेड अम्ल-क्षार सिद्धांत	लुईस लुईस अम्ल-क्षार सिद्धांत	पॉलिंग रासायनिक बंध
वॉन हॉफ रासायनिक गतिकी	नर्स्ट नर्स्ट समीकरण $N_1 = \frac{1}{N} \cdot \frac{N-s}{V}$	ओस्टवाल्ड उत्प्रेरक सिद्धांत	गिल्बर्ट लुईस सहसंयोजक बंध $:Li:$	मैक्स प्लांक क्वांटम सिद्धांत $E=hf$
जोसेफ प्रीस्टले ऑक्सीजन	कैवेंडिश हाइड्रोजन	फ्रेडरिक वोहलर यूरिया संश्लेषण $H_2N \cdot NH_2$	हेस हेस का नियम	ले-शातेलिए संतुलन सिद्धांत
हंफ्री डेवी सोडियम	कार्ल शीले क्लोरीन	विलियम रैम्से निष्क्रिय गैसें He, Ne, Ar	जैम्स चैडविक न्यूट्रॉन	लिनस पॉलिंग इलेक्ट्रॉन-गतिविधि
केकुले बेंजीन संरचना	फिशर कार्बोहाइड्रेट संरचना	साबातिए हाइड्रोजनीकरण $H-C \equiv C-H$	हाबर अमोनिया संश्लेषण $NH_3 \rightarrow O_2 + NH_3$	बॉश हाबर-बॉश प्रक्रिया
मोहर टाइट्रेशन विधि	वर्नर समन्वय यौगिक	डाल्टन परमाणु द्रव्यमान	लावोजियर आधुनिक रसायन विज्ञान के जनक	

संपादन मंडल :

Patron - Dr. R. K. Patidar

Director, AIMS

Prof. Yashpal Vyas Ph. D.

Principal, AIMS

Asst. Prof. Priyanka Tiwari

Dept. of History, AIMS

Asst. Prof. Rani Sharma

Dept. of Computer Sc., AIMS

Asst. Prof. Neha Verma

Dept. of Botany, AIMS

Contributors:

Asst. Prof. Alkesh Thakur

Dept. of Arts, AIMS

Asst. Prof. Pankaj Swarnkar

Dept. of Biotechnology, AIMS

Asst. Prof. Ravina Chouhan

Dept. of Zoology, AIMS

Asst. Prof. Kiran Tawar

Dept. of Maths, AIMS